National Education Policy 2020 Inserted PG Programme on the basis of "Choice Based Credit System-C. B. C. S."

M. A. in HINDI (हिंदी)

(Session 2022-23 onwards)

Approved by:

Board of Studies- ***HINDI (हिंदी)***

Maharaja Suhel Dev State University,

Azamgarh-276 128, Uttar Pradesh (INDIA)

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आज़मगढ़ (उ0प्र0) द्वारा निर्मित राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम एवं द्वितीय वर्ष (सेमेस्टर **I,II,III&IV**) का पाठ्यक्रम।

2022–23 से प्रभावी

नोट :–
- एम0ए0 हिन्दी प्रथम वर्ष में दो सेमेस्टर एवं द्वितीय वर्ष में दो सेमेस्टर अर्थात् कुल चार सेमेस्टर होगा।
- प्रथम सेमेस्टर में कुल चार मुख्य प्रश्नपत्र होंगे, जो अनिवार्य होगें।
- द्वितीय सेमेस्टर में प्रथम दो प्रश्न पत्र अनिवार्य तथा दो वैकल्पिक होंगे।
- तृतीय सेमेस्टर में भी दो प्रश्न पत्र अनिवार्य एवं दो वैकल्पिक होंगे।
- चतुर्थ सेमेस्टर के चारो प्रश्न–पत्र वैकल्पिक होंगे।
- प्रथम वर्ष के प्रथम अथवा द्वितीय में से किसी एक सेमेस्टर में एक माइनर/इलेक्टिव पेपर का चयन करना होगा जो अन्य विषयानुशान से सम्बन्धित होगा।
- प्रथम एवं द्वितीय दोनों वर्षों में एक–एक बार प्रत्येक विद्यार्थी को वृहद् शोध परियोजना का चयन अनिवार्य होगा जो किसी भी विभागीय अध्यापक के निर्देशन में होगा।
- प्रत्येक प्रश्न पत्र 5 इकाई और 20 क्रेडिट का होगा।

(डॉ0 अल्ताफ अहमद)
संयोजक
हिन्दी अध्ययन परिषद्
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय,
आजमगढ़ (उ0प्र0)

Dean, Faculty of Arts

MARKING STRUCTURE OF MA HINDI

CLASS	SEMESTER		PAPER
M.A. (I-SEMESTER)	Compulsory	I	25+75
		II	25+75
		III	25+75
		IV	25+75
M.A. (II-SEMESTER)	Compulsory	I	25+75
		II	25+75
	Optional	III or III	25+75
		IV or IV	25+75
M.A. (III-SEMESTER)	Compulsory	I	25+75
	Compulsory	II	25+75
	Optional	III or III	25+75
	Optional	IV or III	25+75
M.A. (IV-SEMESTER)	Optional	I or I	25+75
		II or II	25+75
		III or III	25+75
		IV or IV	25+75

Syllabus of Post Graduate Programme: M.A.(Hind) as per NEP 2020

M.A. (Hindi)

Semester-wise distribution of Course

I-Semester

Course Code	Type of Course	Title of the Course	Credit hours
A010701T	Compulsory	आदिकालीन काव्य	5
A010702T	Compulsory	निर्गुण काव्य	5
A010703T	Compulsory	हिन्दी भाषा एवं लिपि	5
A010704T	Compulsory	काव्य शास्त्र एवं शोध प्रविधि	5
	Minor*	माइनर पेपर अपने अथवा अन्य संकाय से लिया जा सकता है।	4-6
A010705R	Major Research Project	विभाग के प्राध्यापक द्वारा दिया जायेगा।	4(0+4)

***अभ्यर्थी द्वारा माइनर पेपर का चयन पहले अथवा दूसरे सेमेस्टर में किया जायेगा।**

II-Semester

Course Code	Type of Course	Title of the Course	Credit hours
A010801T	Compulsory	सगुण काव्य	5
A010802T	Compulsory	रीति काव्य	5
A010803T(A)	Optional	कथा साहित्य	5
A010803T(B)	Optional	निबंध साहित्य	5
A010804T(A)	Optional	भारतेन्दु युगीन हिन्दी काव्य	5
A010804T(B)	Optional	हिन्दी आलोचना	5
	Minor*	माइनर पेपर अपने अथवा अन्य संकाय से लिया जा सकता है।	
A010805R	Major Research Project	विभाग के प्राध्यापक द्वारा दिया जायेगा।	

***अभ्यर्थी द्वारा माइनर पेपर का चयन पहले अथवा दूसरे सेमेस्टर में किया जायेगा।**

III-Semester

Course Code	Type of Course	Title of the Course	Credit hours
A010901T	Compulsory	भाषा विज्ञान	5
A010902T	Compulsory	हिन्दी साहित्य का इतिहास	5
A010903T(A)	Optional	छायावादी काव्य	5
A010903T(B)	Optional	द्विवेदीयुगीन काव्य	5
A010904T(A)	Optional	लोक साहित्य	5
A010904T(B)	Optional	छायावादोत्तर काव्य	5
A010905R	Major Research Project	विभाग के प्राध्यापक द्वारा दिया जायेगा।	

IV-Semester

Course Code	Type of Course	Title of the Course	Credit hours
A0101001T(A)	Optional	राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा	5
A0101001T(B)	Optional	समकालीन काव्य	5
A0101002T(A)	Optional	नाट्य साहित्य	5
A0101002T(B)	Optional	नवगीत	5
A0101003T(A)	Optional	भोजपुरी साहित्य	5
A0101003T(B)	Optional	विविध गद्य विधाएँ	5
A0101004T(A)	Optional	प्रयोजनमूलक हिन्दी	5
A0101004T(B)	Optional	विशेष अध्ययन	5
A0101005R	Major Research Project	विभाग के प्राध्यापक द्वारा दिया जायेगा।	

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर–प्रथम
विषय – हिन्दी		
कोर्स कोड	प्रथम प्रश्न पत्र – आदिकालीन काव्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

आदिकालीन हिन्दी काव्य का विकास, रूप–स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ, सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नाथ साहित्य, सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, डिंगल–पिंगल।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

चन्द वरदाई, रासो काव्य परम्परा की परिचयात्मक पृष्ठभूमि रासों काव्य–परम्परा में पृथ्वीराज रासों का महत्व, चन्द वरदाई की काव्य–कला।

पृथ्वीराज रासो का पद्मावती समय

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

गोरखनाथ (व्याख्या एवं आलोचानत्मक अध्ययन) जीवनवृत्त, अद्वैतवाद, एवं नाथपंथ, नाथपंथ और गोरखनाथ, नाथपंथ की विशेषताएँ, भाषिक रचाव।

गोरखबानी से 10 दोहे, 5 पद

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

विद्यापति (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन) विद्यापति : व्यक्तिव एवं कृतित्व, विद्यापतिः भक्त अथवा श्रृगांरी, विद्यापति की काव्य–कला, विद्यापति और अवहट्ट।

कीर्तिलता से 10 पद

पदावली 10 पद

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

अब्दुर्रहमान (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन), अब्दुर्रहमान और उनका संदेसरासक, अब्दुर्रहमान की सामाजिक चेतना, अब्दुर्रहमान का काव्यगत वैशिष्ट्य, विरह–काव्य की कसौटी पर संदेसरासक, बारहमासा एवं षड्ऋतु वर्णन की परम्पराएँ और संदेसरासक।

संदेसरासक से 21 छंद

पाठ्य–पुस्तक – आदिकालीन काव्य

सम्पादक –

1. प्रो0 हसीन खाँ, अध्यक्ष, हिन्दी–विभाग, श्री गाँधी पी0जी0 कॉलेज, मालटारी, आज़मगढ़
2. प्रो0 विजय कुमार, हिन्दी–विभाग, डी0ए0वी0 पी0जी0, कॉलेज, आज़मगढ़

सन्दर्भ

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग – डॉ0 नामवर सिंह
3. संदेसरासक – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कीर्तिलता और अवहट्ट – डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
5. विद्यापति – डॉ0 शिव प्रसाद सिंह
6. नाथ सम्प्रदाय – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. विद्यापति – (सं0) डॉ0 आनन्द प्रकाश दीक्षित
8. गोरखवानी – (सं0) डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 रामचन्द्र शुक्ल
10. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ0 शिवकुमार शर्मा

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर–प्रथम
हिन्दी		
कोर्स कोड	द्वितीय प्रश्न पत्र–निर्गुण काव्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

भक्तिकाल की प्रमुख धाराएँ, निर्गुण काव्य की प्रवृत्तियाँ, निर्गुण काव्य की शाखाएँ, सामाजिक – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति–आंदोलन और उसका वैचारिक आधार।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

कबीर का जीवनवृत्त, निुर्गण काव्य की परम्परा, निर्गुण काव्य की सामान्य प्रकृति एवं प्रवृत्तियाँ, निर्गुण काव्य–परम्परा और कबीर, कबीर और उनका काव्य, जीवनी, अनुभूति और अभिव्यक्ति–विधान, कबीर की दार्शनिक चेतना, समाज सुधार, कबीर की भक्ति भावना, कबीर की भाषा।

साखी के दो अंग – सत्गुरु कौ अंग, ज्ञान विरह कौ अंग

सबद के दस पद

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

रैदास का जीवनवृत्त एवं रचनाएँ, भक्ति भावना, सामाजिक समरसता और रैदास का काव्य, अडम्बरों का विरोध, भाषा।

रैदास के दस पद

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

मलिक मुहम्मद जायसी : जीवन–परिचय, प्रेमाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ, प्रेमाख्यानक काव्य–परम्परा में पदमावत का स्थान, मसनवी शैली, भाषा।

पदमावत का मानसरोदक खण्ड

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

नूर मुहम्मदः जीवन–परिचय,, सूफी काव्य परम्परा में इन्द्रावत का स्थान, प्रेमाख्यान महाकाव्य की कसौटी पर इन्द्रावत, नूर मुहम्मद का विरह–वर्णन, भाषा।

इन्द्रावत का स्तुति खण्ड

पाठ्य–ग्रंथ निर्गुण काव्य

सम्पादक – 1– प्रो0 अल्ताफ अहमद, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, शिब्ली नेशनल कॉलेज, आज़मगढ़

2– प्रो0 जगदम्बा प्रसाद दुबे, हिन्दी विभाग, डी0ए0वी0 पी0जी0, कॉलेज, आज़मगढ़

सन्दर्भ

1. जायसी और उनका काव्य – डॉ0 शिवपूजन तिवारी
2. जायसी ग्रंथावली – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर के साहित्य मे लोक–दर्शन– डॉ0 मदन मोहन पाण्डेय
5. जायसी का पदमावत – डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत
6. कबीर–मीमांसा – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
7. कबीर वाड़मय– भाग 1,2,3 – डॉ0 वासुदेव सिंह एवं डॉ0 जयेदव सिंह
8. कबीर का रहस्यवाद – डॉ0 राजकुमार वर्मा
9. तसव्वुक अथवा सूफीमत – आचार्य चंद्रबली पाण्डेय
10. सूफी कवि नूर मुहम्मद के काव्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 मो0 अरशद
11. नूर मुहम्मद शाह कामयाब और उनका इन्द्रावत (अप्रकाशित शोध प्रंबध) डॉ0 शम्स आलम खाँ

12. भारतीय प्रेमाख्यानक काव्य – डॉ0 हरिकांत श्रीवास्तव

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर–प्रथम
हिन्दी		
कोर्स कोड	तृतीय प्रश्न पत्र – हिन्दी भाषा एवं लिपि	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभमि, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय एवं आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

हिन्दी भाषा का भौगोलिक विस्तार, प्रमुख बोलियाँ, ब्रजभाषा, अवधी, खड़ी बोली एवं भोजपुरी का परिचय।

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

हिन्दी के विविध रूप – मातृभाषा, सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

हिन्दी शब्द सम्पदा – तद्भव, तत्सम, देशज आगत। हिन्दी की रूप रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, कारक एवं समास।

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास, नामकरण वैज्ञानिकता, गुण एवं दोष और सुधार के प्रयास मानकीकरण।

पाठ्य–ग्रंथ हिन्दी भाषा और लिपि

सम्पादक – प्रो0 गीता सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, डी0ए0वी0पी0जी0 कॉलेज, आज़मगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ – सूची

1. हिन्दी भाषा उद्भव और विकास : डॉ0 उदयनरायन तिवारी
2. हिन्दी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
3. हिन्दी भाषा – डॉ0 हरदेव बाहरी
4. भाषा विज्ञान रसायन – डॉ0 कैलाश नाथ पाण्डेय
5. हिन्दी व्याकरण – स्वरूप और विकास : डॉ0 जगदम्बा प्रसाद दुबे
6. हिन्दी व्याकरण – आचार्य कामता प्रसाद गुरू
7. हिन्दी शब्दानुशासन – आचार्य किशोरी दास वाजपेयी
8. हिन्दी भाषा, साहित्य और लिपि – डॉ0 कन्हैया सिंह
9. हिन्दी भाषा और लिपि का विकास – डॉ0 भवानीदत्त उप्रैती
10. हिन्दी भाषा का विकास – प्रो0 शर्वेश पाण्डेय
11. हिन्दी भाषा – डॉ0 जगदीश नारायण 'पंकज'

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर–प्रथम
विषय हिन्दी		
कोर्स कोड	चतुर्थ प्रश्न पत्र – काव्य शास्त्र एवं शोध प्रविधि	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्ध उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

काव्य का स्वरूप काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य गुण, काव्य दोष।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

प्रमुख सम्प्रदाय– अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सम्प्रदाय, रस सम्प्रदाय।

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

प्लेटो का काव्य सिद्धान्त– काव्य दैवीय प्रेरणा सिद्धान्त, अनुकरण का सिद्धान्त।
अरस्तू का काव्य सिद्धान्त– अनुकृति, त्रासदी, विरेचन।
लांजाइनस की उदात्त की अवधारणा
कालरिज का कल्पना सिद्धान्त और फैंटेसी
वड्र्सवर्थ का काव्य भाषा सिद्धान्त
टी0एस0इलियट का निर्वैयिकता का सिद्धान्त

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

प्रमुख वाद– स्वच्छन्दता वाद शास्त्रीयतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्त्तिववाद, विखण्डनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद, संरचनावाद।

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

शोध प्रविधि – अवधारणा, शोध का अर्थ एवं परिभाषा, साहित्य में शोध की प्रविधियां, शोध के अंग, महत्व

पाठ्य पुस्तक – काव्य शास्त्र एवं शोध प्रविधि

सम्पादक – प्रो0 शर्वेश पाण्डेय, प्राचार्य, डी0सी0एस0के0, मऊ

सन्दर्भ

1. भारतीय काव्यशास्त्र (भाग 1,2) बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय काव्यशास्त्र – योगेन्द्र प्रताप सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली
4. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
5. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र
6. रस–मीमांसा – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
7. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी
8. साहित्यालोचन – डॉ0 श्याम सुन्दर हास
9. रस विमर्श – डॉ0 राम मूर्ति त्रिपाठी
10. काव्य रसः चिंतन और आस्वाद – डॉ0 भगीरथ मिश्र
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परंपरा डॉ0 नगेंद्र
13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र डॉ0 देवेंद्र नाथ शर्मा
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र डॉ0 भगीरथ मिश्र
15. अरस्तू का काव्य शास्त्र डॉ0 नगेन्द्र
16. काव्य शास्त्र सिद्धांत डॉ0 निर्मल जैन
17. पाश्चात्य काव्यशास्त्र डॉ0 योगेंद्र प्रताप सिंह।

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर–द्वितीय
हिन्दी		
कोर्स कोड	प्रथम प्रश्न पत्र – सगुण काव्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

भक्तिकाल का उदय, भक्तिकाल की सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्तिकाल की विशेषताएं, भक्तिकाल हिन्दी का स्वर्ण युग।

इकाइ द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

कृष्णकाव्य परम्परा और सूर का काव्य, प्रमुख विशेषताएँ, कृष्ण काव्य एवं राम काव्य में अन्तर, भक्ति, वात्सल्य, श्रृंगार, सूर का भ्रमरगीत, भाषा।

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

सूरसागर– विनय एवं भक्ति के 10 पद,
भ्रमरगीत के 10 पद

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

राम काव्य परम्परा और तुलसीदास का रामचरितमानस, राम काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, तुलसी की भक्ति, लोकमंगल, भारतीय जीवन को रामचरितमानस की देन।

इकाई पंचम

रामचरितमानस के बाल कांड के पुष्प वाटिका प्रसंग के 10 दोहे
विनय पत्रिका के 5 पद
कवितावली के 5 छनद

पाठ्य पुस्तक – सगुण काव्य

सम्पादक – प्रो0 गीता सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी–विभाग, डी0ए0वी0पी0जी0 कॉलेज, आज़मगढ़

संदर्भ ग्रंथ

1. सूरदास – डा0 ब्रजेश्वर वर्मा
2. महाकवि सूरदास – आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी
3. सूरदास – डॉ0 गीता सिंह
4. सूरदास का राम काव्य – डॉ0 जगदम्बा प्रसाद दुबे
5. राम काव्य परम्परा – डॉ0 जगदम्बा प्रसाद दुबे
6. श्री कृष्ण चरित्र का अभिनव विभावन – डॉ0 मदन मोहन पाण्डेय
7. तुलसीदास के साहित्य में लोकधर्म का संस्थापन – डॉ0 मदन मोहन पाण्डेय
8. तुलसीदास – माता प्रसाद गुप्त
9. तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10. तुलसी–मीमांसा – डॉ0 उदयभानु सिंह
11. सूरदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
12. सूरदास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर–द्वितीय
विषय–हिन्दी		
कोर्स कोड	द्वितीय प्रश्न–पत्र – रीति काव्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		

अंक–विभाजन

खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द
खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द
खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

रीतिकालः स्वरूप एवं नामकरण, रीतिकाल की उदयंकालीन परिस्थितियाँ, विविध काव्य धाराएँ, शिल्प–सौंदर्य, दरबारी संस्कृति और राष्ट्रीय भाव–भूमि, भाषा।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

रीतिकाल के प्रवर्तक आचार्य केशवदास, केशव का पाण्डित्य, संवाद–योजना, चमत्कार–प्रदर्शन, अलंकारवादी आचार्य केशव।

रामचंद्रिका – 10 पद
कवि प्रिया – 5 पद
रसिक प्रिया – 5 पद

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

रीति सिद्ध काव्य धारा के प्रतिनिधि कविः बिहारी काव्य धारा, सतसई काव्य–परंपरा में बिहारी सतसई का स्थान बिहारी सतसई बिहारी का काव्यः नीति भक्ति और श्रृंगार की त्रिवेणी।

बिहारी सतसई के 30 दोहे

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

रीति स्वच्छंद काव्यधारा और घनानंद, प्रेम की पीर के कवि घनानंद, घनानंद की सौन्दर्य–चेतना, भाषिक रचाव।

घनानंद के 10 छंद

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

वीर काव्य परंपरा और भूषण, भूषण की राष्ट्रीय चेतना, भूषण राष्ट्रीय कवि अथवा जातीय, रीतिकाल का घोर श्रृंगारिक वातावरण और भूषण का काव्य।

भूषण के 10 छंद

पाठ्य–पुस्तक –रीतिकाव्य

सम्पादक प्रो0 जगदम्बा प्रसाद दुबे, हिन्दी–विभाग, डी0ए0वी0पी0जी0 कॉलेज, आज़मगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ

1. मध्ययुगीन काव्य – साधना – डॉ0 रामचंद्र तिवारी
2. केशव और उनका साहित्य – डॉ0 विजयपाल सिंह
3. केशव की काव्य–कला – पं कृष्ण शंकर शुक्ल
4. बिहारी की वाग्विभूति – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ0 बच्चन सिंह
6. बिहारी का काव्य लालित्य – डॉ0 रमाशंकर तिवारी
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्य धारा – डॉ0 मनोहरलाल गौड़
8. घनानंद – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. घनानंद का श्रृंगार काव्य – प्रो रामदेव शुक्ल
10. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि – डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
11. रीति काव्य मूल्यांकन के नये आयाम – प्रो प्रभाकर सिंह

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर–द्वितीय
विषय–हिन्दी		
कोर्स कोड	तृतीय पत्र पत्र – कथा साहित्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानो की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

उपन्यास की परिभाषा, अर्थतत्व, उद्देश और प्रयोजन, उपन्यास के भेद, उन्यास कला के तत्त्व।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

कथा सम्राट प्रेमचंद की सामाजिक चेतना, पात्रों का मनोवैज्ञानिक चित्रण, देशकाल और वातावरण, भाषा शैली, उद्देश्य उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'कर्मभूमि' उपन्यास की समीक्षा अथवा शिवप्रसाद मिश्र 'रूद्रकाशिकेय' के कथा साहित्य में समाज संस्कृति और इतिहास, उपन्यास के तत्वों, के आधार पर 'बहती गंगा' उपन्यास की समीक्षा।

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

कहानी की परिभाषा, अर्थतत्त्व उद्देश्य और प्रयोजन, कहानी कला के तत्त्व, कहानी के प्रकार।

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

कहानी कला के तत्वों के आधार पर समीक्षा
माधव प्रसाद सप्रे – एक टोकरी भर मिट्टी
जयशंकर प्रसाद – पुरस्कार
प्रेमचद – ईदगाह

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

कहानी कला के तत्वों के आधार पर समीक्षा
फणीश्वर नाथ रेणु – तीसरी कसम
मन्नू भंडारी – यही सच है
कमलेश्वर – राजा निरवंसिया

पाठ्य–ग्रंथ – कहानी कुंज
सम्पादक – प्रो0 अल्ताफ अहमद, अध्यक्ष, हिन्दी–विभाग, शिब्ली नेशनल कॉलेज, आज़मगढ़

संदर्भ–ग्रंथ

1. हिन्दी उपन्यास – डॉ0 शिव नारायण श्रीवास्तव
2. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
3. हिन्दी उपन्यास का इतिहास– डॉ0 गोपाल राय
4. हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार–द्वारिका प्रसाद सक्सेना
5. हिन्दी साहित्य मे आधुनिकता बोध और डॉ0 शिव प्रसाद सिंह का कथा साहित्य– डॉ0 इन्दुमती दुबे
6. नई कहानी की भूमिका–कमलेश्वर
7. कहानी : नही कहानी–डॉ0 नामवर सिंह
8. नई कहानी अर्थ एवं प्रकृति–डॉ0 देवीशंकर अवस्थी
9. प्रेमचन्द और उनका युग – डॉ0 रामविलास शर्मा
10. हिन्दी कहानी का इतिहास भाग 1–2– डॉ0 गोपाल राय
11. उपन्यासः मूल्यांकन के नये आयाम – प्रो0 प्रभाकर सिंह

अथवा

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर–द्वितीय
	विषय – हिन्दी	
कोर्स कोड	तृतीय प्रश्न पत्र पत्र – निबंध साहित्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
	कुल कालांशों / व्याख्यानो की संख्या 75	
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्ध उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम — व्याख्यान / कालांश =15

निबंध की परिभाषा, उद्‌भव और विकास।

इकाई द्वितीय — व्याख्यान / कालांश =15

भारतेन्दु कालीन निबंध साहित्य, निबंध के प्रकार,
बालमुकुंद गुप्त – शिव शम्भु के चिट्‌ठे

इकाई तृतीय — व्याख्यान / कालांश =15

द्विवेदीयुगीन निबंध साहित्य की प्रमुख विशेषताएं।
आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी – कवियों की निर्मला विषयक उदासीनता
शुक्लयुगीन निबंध साहित्य की प्रमुख विशेषताए।
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – करुणा
हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाखून क्यों बढ़ते हैं

इकाई चतुर्थ — व्याख्यान / कालांश =15

शुक्लोत्तर युगीन निबंध साहित्य का परिचय।
डॉ रामविलास शर्मा – सौन्दर्य की उपयोगिता
कुबेरनाथ राय – संस्कृति का शेषनाग
विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भींग रहा है

इकाई पंचम — व्याख्यान / कालांश =15

स्वामी विवेकानंद के साहित्य में राष्ट्रीय जागरण स्वदेश प्रेम समरसता सर्वे भवंतु सुखिनः की भावना, नर नारायण की अवधारणा।
ऐतिहासिक शिकागो भाषण

पाठ्य ग्रंथ – **निबंध निकुर**

सम्पादक – प्रो0 शर्वेश पाण्डेय, प्राचार्य, डी0सी0एस0के पी0जी0 कॉलेज, मऊ

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी निबन्ध – डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. साहित्यिक निबन्ध – डॉ0 त्रिभुवन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. विवेकानन्द साहित्य – अद्वैत आश्रम, रामकृष्ण आश्रम बेलूर मठ।

अ. उ[illegible]

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर–द्वितीय
विषय – हिन्दी		
कोर्स कोड	चतुर्थ प्रश्न पत्र – भारतेन्दु युगीन हिन्दी काव्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानो की संख्या 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम

हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल की उदयकालीन परिस्थितियाँ– सामाजिक , धार्मिक , राजनीतिक , सांस्कृतिक, आधुनिक काल का प्रथम सोपानः भारतेन्दु युग, भारतेन्दु युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ , ब्रजभाषा और खड़ीबोली का द्वन्द्व, समस्यापूर्तियाँ।

इकाई द्वितीय

हिन्दी साहित्याकाश के सूर्य भारतेन्दु हरिश्चन्द्रः जीवन–परिचय और रचनाएँ स्वाधीनता का आंदोलन और भारतेन्दु युगीन काव्य, भारतेन्दु युगीन काव्य का साहित्यिक वैशिष्ट्य, राष्ट्र प्रेम की भावना।

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के 10 दोहे

इकाई तृतीय

बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' का जीवनवृत्त एवं रचनाएँ, तत्कालीन परिवेश और प्रेमघन का काव्य प्रेमघन के काव्य में लोक प्रकृति प्रेम तथा राष्ट्रप्रेम।

प्रेमघन के 10 पद

इकाई चतुर्थ

प्रतापनारायण मिश्र का जीवन परिचय, रचनाएँ, देश प्रेम, प्रकृति चित्रण, प्रेम सौन्दर्य एवं भक्ति, शिल्पगत वैशिष्ट्य

प्रतापनारायण मिश्र के 10 पद

इकाई पंचम

राधाकृष्णदास का जीवन परिचय, रचनाएँ, राधाकृष्णदास के काव्य में भक्ति, श्रृंगार और समकालीन राजनीतिक – सामाजिक चेतना भाषागत वैशिष्ट्य।

राधाकृष्णदास के 10 पद

पाठ्य– ग्रन्थ – **भारतेन्दु युगीन हिन्दी काव्य**

सम्पादक – प्रो0 शर्वेश पाण्डेय, प्राचार्य, डी0सी0एस0के पी0जी0 कॉलेज, मऊ

संन्दर्भ – ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – (सं०) डॉ० नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
7. नया साहित्यः नये प्रश्न – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
8. प्रेमघन सर्वस्व – (सं०) दिनेश नारायण उपाध्याय
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ० नामवर सिंह
10. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र– डॉ० रामविलास शर्मा

अथवा

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर–द्वितीय
विषय – हिन्दी		
कोर्स कोड	चतुर्थ प्रश्न पत्र – हिन्दी आलोचना	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

हिन्दी आलोचना की परिभाषा, उद्भव और विकास, आलोचना की सैद्धान्तिक विवेचना, आलोचना के भेद।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

भारतेंदु हरिश्चंद्र की आलोचना पद्धति,
आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी का आलोचना सिद्धांत

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का आलोचना सिद्धांत
आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का आलोचना सिद्धांत

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी की आलोचना–पद्धति
डॉ रामविलास शर्मा का आलोचना– सिद्धान्त

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

डॉ0 नगेन्द्र का आलोचना सिद्धान्त
डॉ0 शान्तिप्रिय द्विवेदी की आलोचना पद्धति
डॉ0 नामवर सिंह की आलोचना

पाठ्य ग्रंथ – हिन्दी आलोचना
सम्पादक – प्रो0 अल्ताफ अहमद, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, शिब्ली नेशनल कॉलेज, आज़मगढ़
प्रो0 जगदम्बा प्रसाद दुबे, हिन्दी विभाग, डी0ए0वी0 कॉलेज, आजमगढ़

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी आलोचना का विकास डॉ नंदकिशोर नवल
2. हिंदी आलोचना डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी
3. हिंदी आलोचनाः शिखरों से साक्षात्कार डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
4. आलोचक और आलोचना डॉ बच्चन सिंह
5. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द डॉ0 बच्चन सिंह
6. हिन्दी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल– शिवकुमार मिश्र
7. आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली– डॉ0 अमरनाथ
8. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना– डॉ रामविलास शर्मा

कक्षा	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–तृतीय
हिन्दी		
कोर्स कोड	प्रथम प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

भाषा की परिभाषा, प्रकृति, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन का कारण एवं उसकी दिशाएँ, भाषा विज्ञान के अंग, अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध, भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ, भाषा का वर्गीकरण, हिन्दी की बोलियाँ।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

ध्वनि–विज्ञान – ध्वनियों का वर्गीकरण – स्वर एवं व्यंजन ध्वनियाँ

– स्वन, संस्वन एवं स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, हिन्दी स्वनिम की व्यवस्था

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

रूप विज्ञान – रूपिम संरूप एवं रूप की अवधारणा, रूपिम के भेद, मुक्त एवं आबद्ध रूपिम

हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण।

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =18

वाक्य विज्ञान –वाक्य की अवधारणा, पदक्रम, पदबंध एवं अन्विति, हिन्दी वाक्यों के प्रकार, संरचना एवं अर्थ के आधार।

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

अर्थ विज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, पर्यायता, विलोमता, अनेकार्थता

पाठ्य राष्ट्रीय – भाषा विज्ञान

सम्पादक – प्रो0 हसीन खान, अध्यक्ष, हिन्दी–विभाग, श्री गाँधी पी0जी0कॉलेज, मालटारी, आज़मगढ़

संन्दर्भ ग्रंथ – सूची

1. भाषा विज्ञान — डॉ0 भोलानाथ त्रिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका — डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. हिन्दी भाषा की संरचना — डॉ0 सर्वेश पाण्डेय
4. भाषा विज्ञान की भूमिका — डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
5. भाषा विज्ञान का सिद्धान्त — डॉ0 मीरा दीक्षित
6. हिन्दी भाषा के आयाम — डॉ0 सर्वेश पाण्डेय
7. हिन्दी व्याकरण — आचार्य कामता प्रसाद गुरू
8. हिन्दी शब्दानुशासन — किशोर दास वाजपेयी

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर– तृतीय
हिन्दी		
कोर्स कोड	द्वितीय प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानो की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

साहित्य के इतिहास की अवधारणा, हिन्दी साहित्य के इतिहास, लेखन की परम्परा, प्रमुख साहित्य इतिहासकार, काल–विभाजन और नामकरण।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

आदिकालः– परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, एवं साहित्यिक परिचय, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य और लौकिक साहित्य।

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

भक्तिकालः– पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, सांस्कृतिक चेतना, भक्ति का अभ्युदय और विकास, निर्गुण काव्य धारा, सन्त एवं सूफी काव्यधारा, सगुण काव्यधारा, राम काव्यधारा और कृष्ण काव्यधारा।

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

रीतिकालः– परिस्थितियाँ, पृष्ठभूमि, नामकरण, काव्य धाराएं एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

आधुनिक कालः– सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नवजागरण काल में हिन्दी गद्य का विकास।

- भारतेन्दु कालः परिचय और प्रवृत्तियाँ
- द्विवेदी कालः परिचय और प्रवृत्तियाँ
- छायावाद परिचय और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता और नवगीत, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ तथा सहित्यिक विशेषताएं।
- हिन्दी गद्य विधाओं का विकास, कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबन्ध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, इण्टरव्यू
- हिन्दी आलोचना का विकास और प्रवृत्तियाँ

पाठ्य पुस्तक – हिन्दी सहित्य का इतिहास

सम्पादक – प्रो0 गीता सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी–विभाग, डी0ए0वी0पी0जी0, कॉलेज, आज़मगढ़

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं0 नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ0 रामकुमार वर्मा
7. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद दुबे
8. हिन्दी साहित्य का आदिकाल और मध्यकाल – डॉ0 गीता सिंह
9. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
10. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – प्रो0 भसुदेव सिंह

कक्षा	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–तृतीय
हिन्दी		
कोर्स कोड	तृतीय प्रश्न पत्र – छायावादी काव्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानो की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

सैद्धान्तिकः– छायावाद : अर्थ, परिभाषा, पूर्व पीठिका, प्रवृत्तियाँ, विशेषताएं।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

जयशंकर प्रसादः–

1. साहित्यिक परिचय
2. कामायनी परम्परा और आधुनिकता
3. कामायनी का महाकाव्यत्व
4. प्रसाद की सौन्दर्य– चेतना
5. कामायनी–चिंता संर्ग, आँसू के 10 छन्द

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला':–

1. निराला का साहित्यिक परिचय
2. निराला की कविताओं में वैविध्य
3. जागरण के कवि
4. मुक्त छन्द,
5. कविताएँ – राम की शक्तिपूजा

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

सुमित्रानन्दन पन्तः–

1. साहित्यिक परिचय
2. प्रकृति– चित्रण
3. रहस्यवाद
4. भाषा–शैली
5. दो कविताएँ – परिवर्तन, नौका विहार

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

महीयसी महादेवी वर्माः–

1. साहित्यिक परिचय
2. काव्य–दर्शन
3. रहस्यवाद
4. भाषा–शैली
5. चार कविताएँ – मैं नीर भरी दुःख की बदली, रुपसि तेरे घन केश पास, तुम मुझमे प्रिय फिर परिचय क्या, जो तुम आजाते एक बार

सम्पादक : प्रो0 गीता सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी–विभाग, डी0ए0वी0पी0जी0, कॉलेज, आज़मगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ – सूची

1.	छायावाद	–	नामवर सिंह
2.	प्रसाद साहित्य में स्त्री चेतना	–	डॉ0 गीता सिंह
3.	कामायनी एवं पुनर्विचार	–	गजानन माध्व मुक्तिबोध
4.	जयशंकर प्रसाद	–	नन्द दुलारे वाजपेयी
5.	प्रसाद का काव्य	–	प्रेमशंकर
6.	आधुनिक काव्यधार : विचार और दृष्टि	–	प्रो0 ओम प्रकाश सिंह
7.	क्रान्तिकारी कवि निराला	–	डॉ0 बच्चन सिंह
8.	निराला काव्य का अध्ययन	–	डॉ0 भगीरथ मिश्र
9.	सुमित्रानन्दन पंत	–	सं0 सदानन्द गुप्त
10.	सुमित्रानन्दन पंत	–	स0 डॉ0 नगेन्द्र
11.	महादेवी वर्मा की काव्य चेतना	–	राजेन्द्र मिश्र
12.	महादेवी वर्मा	–	जगदीश गुप्त

अथवा

कक्षा	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–तृतीय
हिन्दी		
कोर्स कोड	तृतीय प्रश्न पत्र – द्विवेदी युगीन काव्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

आधुनिकता की अवधारणा, नवजागरण या पुनर्जागरण की पूर्व पीठिका, खड़ी बोली का उदय, राष्ट्रवाद का उदय, आधुनिक कालीन परिस्थितियाँ–राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, गद्यकाल का आरम्भ।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

मैथिलीषरण गुप्तः– मैथिली शरण गुप्त का साहित्यिक परिचय, राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा का परिचय, मैथिलीशरण गुप्त की भाषा शैली, मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक अवदान, गाँधी वादी विचारधारा का प्रभाव, राष्ट्र का गौरव गान।

पाँच कविताएँ

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

रामनरेष त्रिपाठीः– साहित्यिक परिचय, भावपक्ष और कला पक्ष, गांधीवादी प्रभाव, लोक साहित्य में अवदान, बाल–साहित्य, राष्ट्रीय चेतना एवं देश प्रेम।

पाँच कविताएँ

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔधः– साहित्यिक परिचय, काव्यगत विशेषताएँ, साहित्यिक अवदान शिल्पगत वैशिष्ट्य, खड़ी बोली का आंदोलन और हरिऔध की कविता।

प्रिय प्रवास का कुछ अषं

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

श्रीधर पाठक – साहित्यिक परिचय, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना, अधुनिक काल की स्वच्छंद काव्यधारा में श्रीधर पाठक का स्थान, सौन्दर्य चेतना, भाषा शैली, हिन्दी साहित्य का अवदान।

दो कविताएँ

सम्पादक – 1– प्रो0 कंचन राय, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, डी0सी0एस0के0पी0जी0 कॉलेज, मऊ

संदर्भ–ग्रन्थ

1. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग – डॉ0 उदयभानु सिंह
2. द्विवेदी युगीन हिन्दी–काव्य – डॉ0 महेन्द्र कुमार सिंह
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजगरण – डॉ0 राम विलास शर्मा
4. हिन्दी साहित्य के प्रवृत्तियाँ – डॉ0 जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास – डॉ0 गुलाबराय

कक्षा	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–तृतीय
हिन्दी		
कोर्स कोड	चतुर्थ प्रश्न–पत्र – लोकसाहित्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानो की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

लोक साहित्य परिभाषा, लोक साहित्य की विशेषताए, लोक वार्ता, एवं लोक संस्कृति की अवधारणा लोक तत्व आदिकालीन, मध्य कालीन और आधुनिक साहित्य में लोकतत्व, लोक साहित्य का अन्य शास्त्रों से सम्बन्ध।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

लोक साहित्य के प्रमुख संग्रह कर्त्ता, अनुसंधान कार्य, लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया लोक साहित्य के संग्रह में कठिनाइयाँ, लोक साहित्य में अनुसंधान कार्य

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

लोक साहित्य का वर्गीकरण, लोकगीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोकनाट्य लोक सुभाषित, लोकगीतो का वर्गीकरण, महत्व एवं विशेषताएँ, लोकगाथा की परिभाषा विशेषता, प्रकार, प्रमुख लोक गाथाएँ

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

लोक कथा की परिभाषा, प्रमुख लोक कथाएं, लोक कथाओं का वर्गीकरण एवं विशेषताएँ लोक कथा सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली, फेयरीटेल, लीजेण्ड, मिथ, मोरिफ।

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

लोक नाटक की परिभाषा, विशेषताएँ, लोक नाटकों के विधिक रूप, रामलीला, रासलीला, विदेसिया, तमाशा, स्वांग, नौटंकी, हिन्दी भाषा एवं साहित्य में लोक साहित्य का योगदान, लोक सुभाषित, लोकोक्तियाँ, मुहावरे, पहेलियाँ, राष्ट्रीय जीवन में लोकसाहित्य का महत्व।

पाठ्य– ग्रंथ – लोक साहित्य

सम्पादक – 1– प्रो0 विजय कुमार, हिन्दी–विभाग, डी0ए0वी0 पी0जी0, कॉलेज, आज़मगढ़

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. लोक साहित्य की भूमिका — डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
2. भारतीय लोक साहित्य — डॉ0 ष्याम परिवार
3. लोक साहित्य के प्रतिमान — डॉ0 कुन्दन लाल उप्रेती
4. लोक साहित्य के रूपरेखा — डॉ0 शरतेन्द्र
5. लोक साहित्य विमर्ष — डॉ0 द्विजराम यादव एवं डॉ0 विजय कुमार
6. लोक साहित्य एवं भोजपुरी लोकसाहित्य — डॉ0 द्विजराम यादव एवं डॉ0 विजय कुमार
7. लोक वार्ता विज्ञान — डॉ0 सत्येन्द्र
8. लोक साहित्य एवं संस्कृति — डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

अथवा

	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–तृतीय
हिन्दी		
कोर्स कोड	चतुर्थ प्रश्न–पत्र – छायावादोत्तर काव्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

छायावादोत्तर काल की वैचारिक भूमि, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नयी कविता की प्रकृति एवं प्रवृत्तियाँ, अनुभूतिगत तथा अभिव्यक्तिगत वैशिष्ट्रय

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

अज्ञेय का जीवनवृत्त, अज्ञेय व्यक्तिवादी किंग, व्यक्तित्वादी, अज्ञेयः क्रातंद्रष्टा रचनाकार, काव्यगत वैशिष्ट्य एवं भाषिक रचाव, तार सप्तक और अज्ञेय।

पाँच कविताएँ

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

मुक्तिबोधः जीवनवृत्त, समष्टिवादी विचारधारा और मुक्तिबोध, जीवन का कटु यथार्थ और मुक्तिबोध का काव्य, प्रयोगवाद और मुक्तिबोध।

ब्रह्मराक्षस

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

जनवादी काव्य धारा में नागार्जुन का स्थान, जनपक्षधरता और नागार्जुन का काव्य, यथार्थ की ठोस भूमि से फूटी है नागार्जुन की कविता, साधारण आदमी के असाधारण कवि है नागार्जुन।

पाँच कविताएँ,

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

प्रगतिशील काव्यधारा में केदारनाथ अग्रवाल का स्थान, कहें केदार खरी–खरी, प्रकृति के उन्मुक्त प्रांगण में थिरकती हुई केदारनाथ अग्रवाल की कविता, आमजन के पैरोकार केदार।

पाँच कविताएँ

पाठ्य–ग्रंथ छायावादोत्तर काव्य

सम्पादक – 1– प्रो0 जगदम्बा प्रसाद दुबे, हिन्दी–विभाग, डी0ए0वी0पी0जी0, कॉलेज, आज़मगढ़

सन्दर्भ–ग्रंथ

1. अज्ञेयः सृजन और संघर्ष – डॉ0 रामकमल राय
2. अज्ञेय– प्रो0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी के साहित्य निर्माता : अज्ञेय – प्रभाकर माचवे
4. मुक्तिबोध की काव्य–प्रक्रिया – अशोक चक्रधर
5. मुक्तिबोधः विचारकर, कवि, कथाकार – प्रो0 सुरेन्द्र प्रताप
6. अज्ञेय की काव्यचेतना – डॉ0 कृष्णा भावुक
7. प्रयोगवादी काव्यधारा तथोक्त नयी कविता – डॉ0 रमाशंकर तिवारी
8. नयी कविता – डॉ0 जगदीश गुप्त
9. नयी कविता के प्रतिमान– डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद वर्मा
10. कविता के नये प्रतिमान – डॉ0 नामवर सिंह

कक्षा	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–चतुर्थ
हिन्दी		
कोर्स कोड	प्रथम प्रश्न पत्र – राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा का उद्भव एवं विकास, उद्भवकालीन, परिस्थितियाँ, राष्ट्रीयता का आंदोलन और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, राष्ट्र और राष्ट्रीयता का अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

माखन लाल चतुर्वेदी, बलि पथ का अंगारा, स्वातंत्रय आंदोलन और माखनलाल चतुर्वेदी का काव्य, चतुर्वेदी जी की राष्ट्रीय चेतना।

पाँच कविताएँ

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

सुभद्रा कुमारी चौहान का प्रखर राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीयता आंदोलन में महिलाओं की हिस्सेदारी, काव्यकला।

पाँच कविताएँ

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

वीर रसावतार पं0 श्यामनारायण पाण्डेय, पाण्डेय जी की राष्ट्रीय चेतना, शिल्पगत वैष्ट्रिय।

हल्दीघाटी महाकाव्य का कुछ अंश

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

दिनकरः अपने समय के सूर्य, कवि दिनकर की राष्ट्रीय भावना, भाषिक रचाव।

कुरूक्षेत्र का षष्ठ सर्ग

पाठ्य–ग्रंथ – राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा

सम्पादक – प्रो0 शर्वेश पाण्डेय, प्राचार्य, डी0सी0एस0के0पी0जी, कॉलेज, मऊ

सन्दर्भ

1. राष्ट्रीय साहित्य और अन्य निबन्ध – आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी
2. छायावादी काव्य में राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना – डॉ0 रवीन्द्र दरगन
3. संस्कृति और साहित्य – डॉ0 राम विलाश शर्मा
4. भारतीय संस्कृति और उसका इतिहास – सत्यकेतु विद्यालंकार
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास – डॉ0 श्रीकृष्ण लाल
6. आधुनिक कविता : सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य – डॉ0 कन्हैया सिंह
7. आधुनिक साहित्य – नन्ददुलारे वाजपेयी
8. हिन्दी कविता में युगान्तर – डॉ0 सुधीन्द्र
9. आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना – डॉ0 सुधाकर शंकर कलवडे
10. हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना – डॉ0 विद्यानाथ गुप्त

अथवा

कक्षा	एम0ए0 प्रथम वर्ष	सेमेस्टर–चतुर्थ
हिन्दी		
कोर्स कोड	प्रथम प्रश्न पत्र शीर्षक – समकालीन काव्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानो की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

सैद्धान्तिकः–

1. समकालीन कविताः अर्थ एवं स्वरूप
2. आधुनिक कविता के विकास में नयी चेतना
3. नई संवेदना नया शिल्प
4. समाज की वास्तविकता
5. आम आदमी की कविता
6. प्रगतिशील चेतना

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

शमशेर बहादुर सिंहः– साहित्यिक परिचय, प्रेम और सौन्दर्य चेतना, बिम्ब–विधान, भाषा शैली। पाँच कविताएँ

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना– साहित्यिक परिचय, काव्यगत संवेदना, विचार एवं रचना दृष्टि, भाषागत संवेदना – पाँच कविताएँ

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

रघुवीर सहाय – साहित्यिक परिचय, काव्य संवेदना ,भाषायी शिल्प, सामाजिक सरोकार और रघुवीर सहाय की कविता – पाँच कविताएँ

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' –साहित्यिक परिचय, आक्रोश के कवि, मोह भंग का काव्य, जनता के प्रतिनिधि कवि – पाँच कविताएँ

पाठ्य पुस्तक – समकालीन काव्य

सम्पादक – प्रो0 शिखा तिवारी, एसो0 प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, डी0सी0एस0के0पी0जी0 कॉलेज,मऊ

सन्दर्भ–ग्रंथ

1. रघुवीर सहाय का कवि कर्म – डॉ0 सुरेश शर्मा
2. समकालीन कविता पात्रा – प्रो0 नन्दकिशोर नवल
3. आधुनिक साहित्य विकास और विमर्श – प्रो0 प्रभाकर सिंह
4. साठोत्तरी कविता और धूमिल – डॉ0 मदन मोहन पाण्डेय
5. कवियों का कवि शमशेर – रंजना अरगड़े
6. फिलहाल – अशोक वाजपेयी
7. आधुनिक परिवेश और अस्तित्ववाद – डॉ0 शिवप्रसाद सिंह
8. समकालीन साहित्य : आलोचना की चुनौती – डॉ0 बच्चन सिंह
9. समकालीन हिन्दी दलित कविता में युगबोध – देवचंद्र भारती 'प्रखर'
10. समकालीन कविता की कथ्य चेतना – संजय जैना

कक्षा	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–चतुर्थ
विषय हिन्दी		
कोर्स कोड	द्वितीय प्रश्न पत्र – नाट्य साहित्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

नाटक की परिभाषा, नाटक के प्रकार, नाटक के तत्व, नाटक के उद्देश्य, नाटक–कला के तत्त्व।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय चेतना, ऐतिहासिक कथावस्तु, सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय जागरण और प्रसाद जी के नाटक, 'चन्द्रगुप्त' नाटक की नाट्य कला के तत्त्वों के आधार पर समीक्षा

अथवा

'मोहन राकेश के नाटकों में आधुनिकता–बोध, यथार्थ चित्रण, स्त्री–पुरूष सम्बन्ध, अपनेपन की खोज, नाट्क–कला के तत्त्वों के आधार पर 'आषाढ़ का एक दिन की समीक्षा।

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

एकांकी की परिभाषा, उद्भव और विकास, एकांकी के तत्त्व, एकांकी का उद्देश्य।

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

डॉ0 रामकुमार वर्मा – समुद्रगुप्त पराक्रमांक
उपेन्द्रनाथ अश्क – सूखी डाली
भुवनेश्वर – ताँबे के कीड़े

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

जगदीश चन्द्र माथुर – रीढ़ की हड्डी
लक्ष्मी नारायण लाल – ताजमहल के आँसू
धर्मवीर भारती – नदी प्यासी थी

पाठ्य– पुस्तक **एकांकी–संचयन**

सम्पादक – 1– प्रो0 अल्ताफ अहमद, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, शिब्ली नेशनल कॉलेज, आज़मगढ़
2– प्रो0 गीता सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, डी0ए0वी0 पी0जी0, कॉलेज, आज़मगढ़

सन्दर्भ

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
2. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
3. एकांकी और एकांकीकार – डॉ0 रामचरण महेन्द्र
4. हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास – डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
5. हिन्दी नाटकों में गाँधीवाद – डॉ0 अल्ताफ अहमद
6. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास – डॉ0 दशरथ ओझा
7. हिन्दी नाटक – इतिहास के सोपान – गोविंद चातक
8. हिन्दी के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद मिश्र
9. हिन्दी नाटकः आजकल – जयदेव तनेजा

अथवा

कक्षा	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–चतुर्थ
हिन्दी		
कोर्स कोड	द्वितीय प्रश्न पत्र – नवगीत	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

सैद्धान्तिक पक्ष – नवगीत : अर्थ, परिभाषा, तत्व, नवगीत के प्रमुख प्रतिमान, नवगीत की प्रमुख विशेषताए, आधुनिकता–बोध, भारतीयता बोध, लोक संपृक्ति, प्रकृति प्रेम, ग्राम्य–बोध, स्त्री चेतना, घर के प्रति संसक्ति, भाषायी चेतना।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

नवगीतकार डॉ0 शम्भुनाथ सिंह – साहित्यिक परिचय, आधुनिकता बोध, भारतीयता बोध लोक संपृक्ति, महानगरों में मानव का कम होता कद भाषा – शैली प्रमुख पाँच नवगीत।

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

नवगीतकार माहेष्वर तिवारी– साहित्यिक परिचय, आधुनिकता बोध, प्रकृति चेतना भारतीयता बोध, ग्राम्य चेतना और लोक सम्पृक्ति, प्रमुख पाँच नवगीत।

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

नवगीतकार श्रीकृष्ण तिवारी– साहित्यिक परिचय, आधुनिकता बोध, प्रकृति चेतना सामयिक सन्दर्भ, स्त्री बोध।

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

नवगीतकार डॉ0 उमाषंकर तिवारी– साहित्यिक परिचय, आधुनिकता बोध, बिम्ब विधान, भारतीयता बोध, मानवीयता की सर्वोत्कृष्टता प्रमुख पाँच नवगीत।

सम्पादक – 1– प्रो0 शिखा तिवारी, हिन्दी विभाग, डी0सी0एस0के0 पी0जी0 कालेज, मऊ

सन्दर्भ– ग्रंथ

1. नवगीत दषक – सं0 शम्भुनाथ सिंह
2. नवगीत दषक – स0 शम्भुनाथ सिंह
3. नवगीत के प्रतिमान और आयाम – सं0 डॉ0 शिव नारायण सिंह, सं0 डॉ0 उमा शंकर तिवारी
4. नवगीत निकष – सं0 डॉ0 उमा शकर, डॉ0 जगदीश सिंह
5. हिन्दी नवगीत सन्दर्भ और सार्थकता – सं0 वेद प्रकाश अमिताभ सं0 डॉ0 रंजना शर्मा
6. गीत का आकाष – वशिष्ठ अनूप
7. नवगीत का संवदेना – डॉ0 षिखा तिवारी
8. हिम षिला की देह ये घटते रह – सं0 इंजी माधव कृष्ण डॉ0 षिखा तिवारी
9. समकालीन गीत सोहराई नचिकेता, गणेष गम्भीर

कक्षा	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–चतुर्थ
हिन्दी		
कोर्स कोड	तृतीय प्रश्न पत्र – भोजपुरी साहित्य	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)–अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

भोजपुरी साहित्य की विशेषताएँ, भोजपुर क्षेत्र और आंचलिक संस्कृति, भोजपुरी साहित्य में निहित, भौगोलिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना, भोजपुरी लोक साहित्य के विविध आयामों का सामान्य परिचय, लोकगीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य एवं प्रकीर्ण (लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे)

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

मोती बी0ए0 का जीवनवृत्त एवं काव्यगत वैशिष्ट्य

विश्वनाथ लाल सैदा, जीवनवृत्त एवं काव्यगत वैशिष्ट्य।

मोती बी0ए0 की 3 कविताएँ

विश्वनाथ लाल सैदा की 2 कविताएँ

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

चन्द्रशेखर मिश्र – जीवन वृत्त एवं काव्यगत वैशिष्ट्य।

भीषम बाबा खण्ड काव्य के 15 छंद।

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

रामजियावन दास 'बावला'– जीवन वृत्त एवं काव्यगत वैशिष्ट्य।

रामजियावन दास 'बावला'– 3 कविताएँ।

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

डॉ0 ईश्वर चंन्द्र त्रिपाठी – जीवनवृत्त एवं काव्यगत वैशिष्ट्य।

'शकुन्तला खण्ड–काव्य'' – तृतीय संर्ग

पाठ्य–ग्रंथ – भोजपुरी काव्य–कौस्तुभ

सम्पादक – 1– प्रो0 अल्ताफ अहमद, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी–विभाग, शिब्ली नेशनल कॉलेज, आज़मगढ़

2– प्रो0 जगदम्बा प्रसाद दुबे, प्रोफेसर, हिन्दी–विभाग, डी0ए0वी0पी0जी0 कॉलेज, आज़मगढ़

सन्दर्भ

1. भोजपुरी भाषा और साहित्य – डॉ0 उदयनारायण तिवारी
2. भोजपुरी लोक साहित्य का इतिहास – डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
3. भोजपुरी भाषा, साहित्य और संस्कृति – डॉ0 विजय कुमार
4. भोजपुरी लोकगीतों में नारी संवेदनाः – डॉ0 शीला मिश्रा
5. भोजपुरी साहित्यः प्रगति की पहचान – डॉ0 विवेकी राय
6. लोक साहित्य के सिद्धान्त और भोजपुरी लेखन – डॉ0 आद्याप्रसाद द्विवेदी

अथवा

कक्षा	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–चतुर्थ
हिन्दी		
कोर्स कोड	तृतीय प्रश्न पत्र – विविध गद्य विधाएँ	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानों की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)– अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

हिन्दी गद्य का विकासात्मक स्वरूप, विविध, गद्य विधाओं का ऐतिहासिक विकास क्रम, रेखाचित्र संस्मरण, जीवनी आत्मकथा, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, इन्टरव्यू, हास्य–व्यंग्य।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

रेखाचित्र एवं संस्मरण का उद्भव और विकास, अर्थ एवं परिभाषा, महादेवी वर्मा का जीवनवृत्त एवं रचनाएँ

महादेवी वर्मा का एक रेखाचित्र एवं एक संस्मरण

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

जीवनी एवं आत्मकथा : अर्थ प्रकृति एवं परिभाषा जीवनी का साहित्यिक परिचय, आत्म कथा का साहित्यिक वैशिष्ट्य, हरिवंश राय बच्चन एवं विष्णु प्रभाकर का जीवनवृत्त एवं रचनाएँ।
हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा।
विष्णु प्रभाकर की जीवनी।

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

यात्रावृत्त और रिपोर्ताज का स्वरूप और विकास, यातावृत्त का साहित्यिक वैशिष्ट्य, रिपोर्ताज का साहित्यिक वैशिष्ट्य, राहुल सांकृत्यायन, विवेकी राय का जीवनवृत्त एवं रचनाएँ।

राहुल सांकृत्यायन का एक यात्रावृत्त।
विवेकी राय का एक रिपोर्ताज

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

नाट्य काव्य और हास्य व्यंग्यः उद्भव और विकास, साहित्यिक वैशिष्ट्य।
पारसनाथ गोवर्धन एवं श्रीलाल शुक्ल का जीवनवृत्त एवं रचनाएँ।
श्रीलाल शुक्ल – एक व्यंग
पारसनाथ गोवर्धन – एक नाट्य काव्य – दंशित आस्थाएँ

पाठ्य ग्रन्थ– विविध गद्य विधाए

सम्पादक –
1– प्रो0 अल्ताफ अहमद, अध्यक्ष, हिन्दी–विभाग, शिब्ली नेशनल कॉलेज, आज़मगढ़
2– प्रो0 जगदम्बा प्रसाद दुबे, हिन्दी–विभाग, डी0ए0वी0पी0जी0 कॉलेज, आज़मगढ़

सन्र्दभ ग्रंथ

1. विधा–विधिधा – (सं0) राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव
2. हिन्दी गद्य का साहित्य – डॉ0 रामचंद्र तिवारी
3. अवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर
4. अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा
5. स्मृति की रेखाएँ – महादेवी वर्मा
6. हिन्दी गद्य शैली का विकास – श्रीकृष्ण लाल

कक्षा	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–चतुर्थ
हिन्दी		
कोर्स कोड	चतुर्थ प्रश्न पत्र – प्रयोजन मूलक हिन्दी	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों / व्याख्यानो की संख्या = 75		
अंक–विभाजन खण्ड (क) 10 x 2= 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 50 शब्द खण्ड (ख) 5 x 5= 25 लघु उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 200 शब्द खण्ड (ग) 2 x 15 =30 दीर्ध उत्तरीय प्रश्न – अधिकतम 500 शब्द		

इकाई प्रथम व्याख्यान / कालांश =15

प्रयोजनमूलक हिन्दी के अवधारणा क्षेत्र एवं प्रमुख आयाम– कार्यालयी हिन्दी, जनसंचार की हिन्दी वाणिज्य एवं विज्ञापन की हिन्दी, विज्ञान एवं कम्प्यूटर की हिन्दी।

इकाई द्वितीय व्याख्यान / कालांश =15

कार्यालयी हिन्दी – पत्र लेखन एवं उसके प्रकार, प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई तृतीय व्याख्यान / कालांश =15

पारिभाषिक शब्दावली की आवधारणा एवं स्वरूप निर्माण के सिद्धान्त एवं प्रक्रिया।

इकाई चतुर्थ व्याख्यान / कालांश =15

अनुवाद की परिभाषा एवं स्वरूप / प्रक्रिया एवं प्रविधि।

इकाई पंचम व्याख्यान / कालांश =15

प्रयोजन मूलक हिन्दी में अनुवाद की भूमिका / कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यम में अनुवाद, वैज्ञानिक तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद,विज्ञान में अनुवाद।

पाठ्य–ग्रंथ – प्रयोजन मूलक हिन्दी

सम्पादक – 1– प्रो0 शिखा तिवारी, हिन्दी विभाग, डी0सी0एस0के0 पी0जी0 कॉलेज,मऊ

2– प्रो0 विजय कुमार, हिन्दी विभाग, डी0ए0वी0पी0जी0 कॉलेज, आज़मगढ़

सन्दर्भ

1. अनुवाद एक परिचय प्रो0 शर्वेश पाण्डेय, ज्ञान भारती 2007
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रो0 शर्वेश पाण्डेय, ज्ञान भारती प्रकाशन, वाराण्सी, 2021
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी, कैलाश चन्द्र भाटिया
4. डॉ0 सूर्य प्रसाद दीक्षित
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी संरचना और अनुप्रयोग – डॉ0 राम प्रकाश

अथवा

कक्षा	एम0ए0 द्वितीय वर्ष	सेमेस्टर–चतुर्थ
हिन्दी		
कोर्स कोड	चतुर्थ प्रश्न पत्र – विशेष अध्ययन	
क्रेडिट–5	अधिकतम अंक 25 + 75	
कुल कालांशों/ व्याख्यानो की संख्या = 75		
नोटः निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न पत्र का चयन करना है।		

(क)

संत साहित्य

इकाई प्रथम

संत साहित्य की प्रवृत्तियाँ, निर्गुण भक्ति – धारा और संत साहित्य, ज्ञानाश्रयी शाखा ईश्वर का निर्गुण–निवराकार स्वरूप भक्ति, लोक कल्याण–भावना, शिल्पगत वैशिष्ट्य, प्रमुख संत –सम्प्रदाय।

इकाई द्वितीय

कबीर का जीवनवृत्त संत साहित्य के प्रतिनिधि कवि कबीर, समाज – दर्शन, भक्ति – भावना, दार्शनिक चेतना, कबीर के राम कबीर की भाषा।

साखी – 2 अंग

सबद – 10 पद

रमैनी – 05 छेद

इकाई तृतीय

रैदास का जीवन परिचय, निर्गुण भक्ति, लोकहित – भावना ज्ञान और वैराग्य
प्रेम भूखे राम मन रहे चंगा तो कठौती में गंगा, भाषा।

रैदास के 10 पद

इकाई चतुर्थ

गुरु नानक देव का जीवन–परिचय, भक्ति, निर्गुण उपासना का स्वरूप और नानक देव, भाषा, युगबोध।

गुरु नानक देव के 10 पद

इकाई पंचम

संत काव्य धारा में दादू दयाल का स्थान, दादू की भक्ति– भावना, मानव–कल्याण– चेतना, युगबोध।

दादू की साखी के दो अंग

पाठ्य – ग्रंथ – संत साहित्य
सम्पादक – प्रो0 विजय कुमार, हिन्दी– विभाग, डी०ए०वी०पी०जी० कॉलेज, आजमगढ

संन्दर्भ ग्रंथ

1. उत्तरी भारत की संत परम्परा – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
2. कबीर – मीमांसा – डॉ० रामचन्द्र तिवारी
3. कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. कबीर वाड्मय – डॉ० वासुदेव सिंह और डॉ ० जयदेव सिंह
5. भक्ति कालीन कवियों के काव्य सिद्धान्त – डॉ0 सुरेश चंद्र गुप्त
6. संत रैदास और उनका पंथ – डॉ० भगवतव्रत मिश्र चतुर्थ
7. भारतीय संस्कृति और साधना – डॉ० सुरेश चंद्र गुप्त
8. मध्ययुगीन काव्य – साधना – डॉ० रामचंद्र तिवारी
9. हिन्दी साहित्य का इतिहस – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
10. दादू की भाषा – डॉ० रामसजन पाण्डेय
11. कबीर सर्वस्व – डॉ0 युगेश्वर

(ख)

हिन्दी का कृष्ण काव्य

ईकाई प्रथम

हिन्दी भक्ति साहित्य में कृष्ण काव्य – धारा का स्थान, कृष्ण काव्य की प्रमुख प्रवृतियाँ, वैष्णव भक्ति और में कृष्ण काव्य, अष्टछाप, कृष्ण भक्तिः विविध सम्प्रदाय।

इकाई द्वितीय

सूरदासः जीवन वृत्त एवं रचनाएँ, वल्लभ सम्प्रदाय और सूर, अष्टछापी कवियों में सूर का स्थान, सूर की कृष्ण भक्ति, विनय भावना, सूर का वात्सल्य एवं श्रृंगार निरूपण भ्रमरगीत, सूर और पुष्टिमार्ग , गीतिकाव्य परम्परा और सूरसागर ।

सूरसागर के 20 पद (1) विनय एवं भक्ति के पद–10 (2) भ्रमरगीत के पद – 10

इकाई तृतीय

नंददास का जीवन परिचय एवं रचनाएँ, अष्टछाप के कवियों में नंददास का स्थान, प्रेम–तत्त्व, नंददास की कृष्ण – भक्ति, नंददास और भँवरगीत।

नंददास के 15 पद– (1) रासपंचाध्यायी से 10 पद (2) भँवरगीत–5 पद

इकाई चतुर्थ

मीराबाई, जीवन वृत्त, मीरा की अनन्य कृष्ण–भक्ति भाषा।

मीराबाई के 10 पद

इकाई पंचम

रसखान : जीवन–परिचय, कृष्ण भक्त कवियों में रसखान का स्थान, मुसलमान कृष्ण भक्त और रसखान, रसखान की भक्ति, काव्य–कला।

रसखान के 10 पद

पाठ्य – ग्रंथ – हिन्दी का कृष्ण काव्य

सम्पादक – प्रो0 गीता सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी–विभाग, डी०ए०वी०पी०जी०कॉलेज, आजमगढ

संन्दर्भ – ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ० नगेन्द्र
2. अष्टछाप और बल्लभ सप्रदाय – डॉ० प्रभुदयाल मीतल
3. सूर और उनका साहित्य – डॉ० हरबंशलाल शर्मा
4. सूरदास – डॉ० ब्रजेश्वर वर्मा
5. सूरदास – डॉ0 गीता सिंह
6. भक्ति का विकास – डॉ0 मुशीराम शर्मा
7. मीरा का काव्य – डॉ0 हीरालाल दीक्षित
8. भ्रमरगीत सार – आचार्य रामचंन्द्र शुक्ल
9. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – प्रो0 वासुदेव सिंह
10. सूर – विमर्श – डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी
11. मीराबाई की पदावली – (सं०) आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

(ग)

हिन्दी का राम काव्य

ईकाई प्रथम

भारतीय वाङमय में रामकाव्य, हिन्दी की रामकाव्य–परम्परा, रामकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ, सगुण भक्ति धारा और राम भक्ति, राम, रामकथा और रामभक्ति, शिल्पगत वैशिष्ट्य।

ईकाई द्वितीय

तुलसीदास का जीवन–परिचय एवं उनकी रचनाएँ, तुलसी की राम भक्ति, दार्शनिक चेतना, तुलसीदास का समन्वयवाद, रामकाव्य–परम्परा में तुलसी का स्थान, तुलसी और उनका रामचरितमानस, भाषा।

रामचरितमानस–राम वनगमन–प्रसंग –10 दोहे

विनयपत्रिका 5 पद

कवितावली 5 छंद

इकाई तृतीय

नाभादास का जीवनवृत्त एवं उनकी रनचाएँ, राममक्ति धारा में नाभादास का स्थान , नाभादास और उनका भक्तमाल भाषा

भक्तमाल के 10 पद

इकाई चतुर्थ

सूरदासः जीवनवृत्त एवं रचनाएँ, सूर की रामभक्ति, हिन्दी की राम काव्य–परम्परा और सूरदास, सूरसागर में निरूपति रामकथा, हिन्दी में रामकथा के प्रथम उद्गायक महात्मा सूरदास, भाषा।

सूरसागर की रामकथा के 10 पद

इकाई पंचम

केशवदासः जीवनवृत्त एवं रचनाएँ, केशव की रामभक्ति, रामकाव्य–परम्परा में 'रामचंद्रिका' का स्थान, शिल्पगत चमत्कार।

रामचंद्रिका के 10 पद

पाठ्य –ग्रंथ – हिन्दी का राम काव्य

सम्पादक – प्रो0 जगदम्बा प्रसाद दुबे, हिन्दी विभाग, डी०ए०वी०पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

सन्दर्भ–ग्रंथ

1. रामकथा – फादर कामिल बुल्के
2. तुलसी–मीमांसा – डॉ0 उदयभानु सिंह
3. तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. त्रिवेणी – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
6. सूर– संचयन – डॉ० मुंशीराम शर्मा
7. सूरदास का रामकाव्य – डॉ० जगदम्बा प्रसाद दुबे
8. रामकाव्य – परम्परा – डॉ० जगदम्बा प्रसाद दुबे
9. केशव और उनका काव्य – डॉ० विजयपाल सिंह
10. रामायण – मीमांसा – स्वामी करपात्री जी
11. भक्तमाल – नाभादास
12. सूर पूर्व ब्रजभाषा – डॉ० शिवप्रसाद सिंह
13. सूर– विमर्श – डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी

(डा0 अल्ताफ अहमद)
संयोजक (हिन्दी अध्ययन परिषद)
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि0 वि0
आजमगढ़